आपने लिखा

संदर्भ का नया अंक पढ़ा। 'संदर्भ' में छपे सभी लेख अच्छे हैं। खास तौर पर 'प्राथमिक कक्षाएँ एवं संवाद' पढ़कर मज़ा आया।

मैं कई दफा 'संदर्भ' के पुराने अंकों का उपयोग छत्तीसगढ़ में शिक्षकों के साथ शिक्षक प्रशिक्षण में करता हूँ। शिक्षकों का कहना है कि 'संदर्भ' उन सभी के लिए बहुत उपयोगी लगती है।

संजय कुमार तिवारी
सी.ई.आर.सी., रायपुर, छत्तीसगढ़

संदर्भ अंक-71 में मेरा लेख 'एक मेला ऐसा भी' प्रकाशित किया गया, उसके लिए धन्यवाद। आप सभी ने मिलकर लेख को पठनीय बना दिया है। मैं खासतौर से ऋचा टेम्बे जी को जिन्होंने अपने चित्रों से लेख को जीवन्त बना दिया और राजेश उत्साही जी को अच्छे सम्पादन के लिए धन्यवाद कहना चाहता हूँ।

संदीप दिवाकर
भोपाल, म.प्र.

चाहिए

आधारशिला शिक्षण केन्द्र, ग्राम - साकड़, ज़िला-बड़वानी
में शिक्षण व पाठ्यक्रम निर्माण में सहयोग हेतु

लड़की हो या लड़का,
उम्र, जाति, धर्म और रंग का
और एक हद के बाद शैक्षणिक योग्यता का भी कोई फर्क नहीं पड़ता
बस,
दिल से जवान हो, उस पर शिक्षा का भूत सवार हो, बच्चों से उसको प्यार हो।
काम यही है कि बच्चों को सीखने में मदद करना,
खास तौर से छटी से नौवीं तक के, और
आधारशिला में विकसित पाठ्यक्रम को व्यवस्थित करने में मदद करना।
खाने-रहने की व्यवस्था तो करेंगे ही
यह काम तो अनमोल है, इसलिए, तनख्वाह तो नहीं कहना चाहिए पर मानधन ज़रूर मिलेगा जो मुलाकात और बातचीत के बाद ही तय होगा।

सम्पर्क: जयश्री/अमित
फोन: 09425981606
ईमेल: adharshila.learningcentre@gmail.com